सम्पादकीय

विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित मासिक शोधपत्रिका का वर्ष 2025 का सप्तम अंक आपके करकमलों में अर्पित करते हुए अत्यधिक हर्ष का अनुभव हो रहा है। यह अंक गुरुपूर्णिमा के पावन व पवित्र सुअवसर पर "श्री अलखपुरी जी सिद्ध पीठ परम्परा" को समर्पित है।

इस परम्परा में श्री अलखपुरी जी, परयोगेश्वर स्वयंभू श्री देवपुरी जी महादेव, भगवान् श्री दीपनारायण महाप्रभु जी, हिन्दुधर्म सम्राट परमहंस श्री स्वामी माधवानन्दजी, विश्वगुरु महामण्डलेश्वर परमहंस श्री स्वामी महेश्वरानन्द पुरी जी महाराज की दिव्य जीवन यात्रा एवं सदुपदेशों को क्रमानुसार वर्णित किया है। पत्रिका के इस अंक को गुरु पूर्णिम के सुअवसर पर ऐसी सिद्ध एवं अवतारपुरुष गुरुओं की परम्परा को समर्पित करते हुये अपने आप को सौभाग्यशाली मानता हुआ अत्यन्त प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूँ। गुरु पुर्णिमा के पावन व पवित्र पर्व पर सभी आदरणीय, पूजनीय एवं सम्माननीय गुरुजनों के चरणों कोटि-कोटि प्रणाम।

शुभकामनाओं सहित....

-डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा

Editorial

It is with great pleasure that we present to you the seventh issue for the year 2025 of the monthly research journal published by the Vishwaguru Deep Ashram Research Institute. This issue is dedicated to the "Shri Alakhpuriji Siddha Peetha Parampara" on the sacred and auspicious occasion of Guru Purnima.

The divine life journeys and noble teachings of Shri Alakhpuriji, Paramyogeshwar Sri Devpuriji Mahadev, Bhagavan Shri Deep Narayan Mahaprabhuji, Hindu Dharma Samrat Paramhans Sri Swami Madhavanandaji, and Vishwaguru Mahamandaleshwar Paramhans Sri Swami Maheshwarananda Puri Ji Maharaj have been described in chronological order. I feel extremely happy and consider myself fortunate to dedicate this issue of the magazine, on the auspicious occasion of Guru Purnima, to such a lineage of perfected and incarnate Gurus. On the sacred and holy festival of Guru Purnima, I offer my countless salutations at the feet of all respected, venerable, and honorable Gurus.

With best wishes.

-Dr. Surendra Kumar Sharma